अपराह्न 2.02 बजे

(लोक सभा अपराह्न 2.02 बजे पुनः समवेत हुई)

(अध्यक्ष महोदय *पीठासीन हुए)*

प्रधानमंत्री द्वारा वक्तव्य

वोल्कर समिति रिपोर्ट के बारे में

[हिन्दी]

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद)**:** अध्यक्ष जी, यह पूरे देश के लिए बहुत शर्म की बात है।...*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: श्री अटल बिहारी वाजपेयी, आप कुछ कहना चाहते हैं?

...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: प्रधानमंत्री आ रहे हैं।

...*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार)**:** अध्यक्ष जी, जब प्रधानमंत्री जी बयान देंगे, उसके पहले मुझे कृपया एक मिनट का समय देने की कृपा करें।...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: क्या आप उनके सामने बोलना चाहते हैं?

श्री प्रभुनाथ सिंह: सर, हम उनसे एक स्पष्टीकरण चाहेंगे। ...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: इस बीच में मिनिस्टर ऑफ पार्लियामेंट्री अफेयर्स नेक्स्ट वीक के लिए गवर्नमेंट बिजनैस के संबंध में स्टेटमेंट पढ़ देते हैं।

...*(व्यवधान)*

श्री हरिन पाठक: नहीं, सर।...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: ठीक है।

...*(व्यवधान)*

श्री प्रभुनाथ सिंह: अध्यक्ष जी, हमने आपसे आग्रह किया था कि हमें दो मिनट का समय देने की कृपा करें।...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: आप क्या हमारी इजाजत के ऊपर निर्भर करते हैं?

श्री प्रभुनाथ सिंह: हम आपकी इजाजत के बिना बोल ही नहीं सकते।...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय, माननीय प्रधान मंत्री को बयान देना है और विपक्ष के नेता आदरणीय आडवाणी जी ने इस पर विस्तार से चर्चा की है। हम ज्यादा नहीं कहना चाहते हैं लेकिन माननीय प्रधान मंत्री जी से हम एक निवेदन करना चाहते हैं कि प्रधान मंत्री जी जब बयान दें तो उसमें दो बिन्दु जरूर स्पष्ट कर दें कि...*(व्यवधान)* आप लोगों के पढ़ाने के लिए तो स्कूल खोलना पड़ेगा। आप लोग इतना ज्यादा बच्चे की तरह बात करते हैं। ...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: आप बोलते रहिए। आप उन्हें छोड़िए।

...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: आप लोग मेहरबानी करके थोड़ा शांत रहिए। आपके प्रधान मंत्री साहब जवाब देंगे।

श्री प्रभुनाथ सिंह: अध्यक्ष जी, जो टी.वी. चैनल पर आ रहा है, उसमें नाम भी आ रहा है और उसमें टी.वी. चैनल के माध्यम से ऐसा स्पष्ट हो रहा है कि उसमें कांग्रेस संगठन के लोग भी जुड़े हुए हैं जहां पर गड़बड़ी की संभावना है।...*(व्यवधान)* इसलिए हम जानना चाहेंगे, प्रधान मंत्री जी यह बताएंगे कि वे कौन-कौन से लोग हैं और वह पैसा कहां रखा गया है? ये बिन्दु स्पष्ट रूप से बताएं कि उसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं? ...*(व्यवधान)* यह विस्तृत बात यहां बतानी चाहिए।...*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: प्रधान मंत्री जी आ चुके हैं। आइए उनकी बात सुनें।

...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: आइए हम प्रधानमंत्री की बात सुनें।

...*(व्यवधान)*

***प्रधान मंत्री (डा. मनमोहन सिंह):** अध्यक्ष महोदय, आज सुबह सभा के कुछ माननीय सदस्य चाहते थे कि मैं क्रोशिया में भारत के राजदूत द्वारा एक टी.वी. चैनल को दिए गए कतिपय साक्षात्कार पर वक्तव्य दूं। मुझे सूचना दी गई है कि उन्होंने समिति रिपोर्ट में उल्लिखित कतिपय लेन-देन की जांच करने

---

*ग्रंथालय में भी रखा गया। देखिए संख्या एल.टी. 2919/05

के आदेश के रूप में न्यायमूर्ति पाठक जांच प्राधिकरण के विचाराधीन मामले में कतिपय व्यक्तियों के कथित रूप से लिप्त होने के बारे में कतिपय वक्तव्य दिए हैं।

इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भी की जा रही है।

जब से इराक में अनाज के बदले तेल कार्यक्रम में गैर-संविदात्मक लाभार्थियों के रूप में कतिपय भारतीय कंपनियों और व्यक्तियों के लिप्त होने का उल्लेख किया गया था, तब से सरकार इस मामले के संबंध में अपने रुख पर अडिग और स्पष्ट रही है। हमने कहा कि वोल्कर समिति की रिपोर्ट में पाए गए संदर्भ "असत्यापित संदर्भ" हैं...*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली): यह आज तो वेरीफाई हो गया।...*(व्यवधान)* अभी भी अनवेरीफाइड कह रहे हैं।...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: यह सही नहीं है। यह क्या हो रहा है?

...*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: मैं सभी माननीय सदस्यों से अपील करूंगा।

...*(व्यवधान)*

डा. मनमोहन सिंह: हमने कहा था कि हमने इस मामले की जड़ तक जाने और सच्चाई का पता लगाने अथवा इन संदर्भों की अन्यथा बातों का पता लगाने का दृढ़निश्चय किया है। हम इस पर भी कायम हैं।

हमने सच्चाई को सामने लाने के लिए प्रासंगिक दो विशेष संविदाओं की जांच करने के लिए तत्काल न्यायमूर्ति श्री आर.एस. पाठक को नियुक्त किया और उन्हें इस जांच को शीघ्र और प्रभावी रूप से पूरा करने के लिए अपनी इच्छा के अनुसार पूरी शक्तियां दीं। हमने प्रासंगिक सामग्री जुटाने के लिए श्री वीरेंद्र दयाल को विशेष दूत नियुक्त किया और जैसा कि वित्त मंत्री ने कल सभा को सूचना दी उसके अनुसार वह अपना कार्य बहुत शीघ्रता से कर रहे हैं और उन्होंने 10 दिनों के भीतर महत्वपूर्ण दस्तावेज तथा सामग्री प्राप्त की।

आज दिए गए वक्तव्यों के बारे में - और मुझे बताया गया है कि बाद में इनके परोक्ष में छापे जाने की संभावना है - ये निश्चित रूप से जांच के अंतर्गत आने वाले लेन-देनों से संबंधित है। वक्तव्य श्री नटवर सिंह और अन्य व्यक्तियों के बारे में दिए गए हैं। कुल मिलाकर यह चिंता का विषय है।

प्रवर्तन निदेशालय, क्रोशिया में भारत के राजदूत से संबंधित हाल के वक्तव्यों पर संज्ञान लेगा और जांच जारी रखेगा।

प्रवर्तन निदेशालय ने सरकार को आश्वासन दिया है कि उसकी जांच बिल्कुल सही चल रही है और वह शीघ्र सच्चाई का पता लगा पाएगा। हमें जांच के अंतिम परिणाम का पहले से निर्णय नहीं लेना चाहिए अथवा जो निष्कर्ष न्यायमूर्ति आर.एस. पाठक जांच आयोग द्वारा दिए जाने की संभावना है उन्हें पहले से अधिकृत नहीं करना चाहिए। हमारे लिए सरकार में सच्चाई का सबसे अधिक महत्व है। हमारा दृढ़निश्चय है कि इस मामले में सच्चाई की जीत होगी। हमारी सरकार सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा के उच्च मानदंडों और पारदर्शिता को बनाए रखने में विश्वास रखती है और मैं इस सभा को यह आश्वासन दे सकता हूं कि किसी भी दोषी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

...*(व्यवधान)*

श्री गुरूदास दासगुप्त (पंसकुरा): महोदय, मुझे एक बात कहनी है यदि विपक्ष के माननीय नेता दिए गए वक्तव्य के संबंध में सभा में अपनी उदार टिप्पणियां करते हैं तो अन्य दलों को भी यह अवसर दिया जाना चाहिए...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय: देखिए क्या होता है।

...*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय: ठीक है, अब अपने लीडर को तो बोलने दीजिए।

...*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

श्री गुरूदास दासगुप्त: महोदय, क्या मैं एक निवेदन कर सकता हूं?...*(व्यवधान)* कृपया मेरी बात सुनिए...*(व्यवधान)* मैं श्री आडवाणी जी से अपील करता हूं कि मान जाएं और मुझे अपनी बात कहने दें...*(व्यवधान)* मैं कह रहा हूं कि सभा में यह सामान्य परंपरा रही है कि मुख्य विपक्षी दल का नेता टिप्पणी करता है और उसके बाद शोरगुल होता है और - मजबूरन सभा की कार्यवाही स्थगित कर दी जाती है। ऐसा नहीं होने दिया जाना चाहिए...*(व्यवधान)*